Today's Poem – 16.05.2014

विश्व की सभी आत्मायें अनजान और दुःखी हैं, आप उन पर उपकार करो

बाप का परिचय देकर ख़ुशी में लाओ,उन्हें सुखी करो

निःस्वार्थ सच्चे दिल की सेवा और प्यार

यही है सेन्टर की वृद्धि का आधार

ज्ञान को जीवन में धारण कर ख़ुशी में गद्गद् होना है

वन्डरफुल ज्ञान और ज्ञान दाता का सिमरण कर ज्ञान डांस करना है

अपने पार्ट का ही सिमरण करना है, दूसरों के पार्ट को नहीं देखना है

माया बड़ी प्रबल है इसलिए ख़बरदार रहना है

बाप को पहचानकर मेरा बाबा कहना

यही है अधिकारी बनना

श्रेष्ठ भाग्य की रेखा खींचने का कलम है श्रेष्ठ कर्म

शुक्रिया बाबा !!

ॐ शान्ति !!!